No. of Printed Pages: 8

CERTIFICATE IN ANTI-HUMAN TRAFFICKING (CAHT)

Term-End Examination

June, 2020

BLE-032: LAW POLICIES AND INSTITUTIONAL RESPONSE TO HUMAN TRAFFICKING

Time: 3 Hours Maximum Marks: 100

Note: The question paper has been divided into three Parts—Parts A, B and C. All Parts are compulsory.

Part—A

Note: Write short notes on any four questions in about 150 words each. Each question carries 5 marks.

Reintegration of trafficked victims.

- 2. Kishori Shakti Yojana.
- 3. Cognitive interviewing.
- 4. Contribution of community vigilance in preventing anti-human trafficking.
- 5. Anti-human trafficking.
- 6. Home verification of rescued person under Immoral Traffic (Prevention) Act, 1956.

Part—B

- Note: Attempt any four questions in about 300 words each. Each question carries 10 marks.
- Discuss the aims and objectives of Goa Children's Act, 2003.
- 8. Discuss the role of women and child development department in dealing with human trafficking cases.

- 9. Write a note on counselling and legal advice to ...
- 10. Role of district rural development agencies in anti-human trafficking.
- 11. What do you understand by Synergy? Discuss with reference to anti-human trafficking.
- 12. Discuss in brief the role of child welfare committee under Juvenile Justice Care and Protection of Children Act, 2000.

Part-C

- Note: Answer any two of the following questions in about 1200 words each. Each question carries

 20 marks.
- 13. Discuss human trafficking with reference to India. Explain the relevant provisions as given under the Constitution of India and the Immoral Trafficking (Prevention) Act, 1956.

- 14. Discuss the challenges in prosecution of Anti-Human Trafficking in India.
- 15. Discuss the role of judiciary in addressing the problems of human trafficking.
- 16. How the NGOs are helpful in dealing with antitrafficking in human beings? Discuss with special reference to the hurdles in synergy in this regard.

BLE-032

अवैश्व मानव व्यापार-रोधी कार्यक्रम में सर्टिफिकेट (सी. ए. एच. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

बी.एल.ई.-032 : कानूनी नीतियाँ तथा अवैध मानव व्यापार के सम्बन्ध में संस्थागत प्रतिक्रिया

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट: यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभाजित है-भाग क, ख और ग। सभी भाग अनिवार्य हैं।

भाग-क

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर (प्रत्येक) लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक हैं।

अवैध मानव व्यापार के पीडि़तों का पुन:एकीकरण।

- 2. किशोरी शक्ति योजना।
- 3. संज्ञानात्मक साक्षात्कार करना।
- 4. अवैध मानव व्यापार की रोकथाम करने में सामुदायिक सतर्कता का योगदान।
- 5. अवैध मानव व्यापार।
- 6. अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत मुक्त कराए गए व्यक्तियों की गृह जाँच।

भाग-ख

- नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 300 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।
- 7. गोवा बाल अधिनियम, 2003 के लक्ष्यों व उद्देश्यों की चर्चा कीजिए।
- अवैध मानव व्यापार के मामलों से निपटने में महिला एवं बाल विकास विभाग की भूमिका की चर्चा कीजिए।

- अवैध मानव व्यापार के पीडि़तों को कानूनी परामर्श और कानूनी सलाह पर टिप्पणी लिखिए।
- अवैध मानव व्यापार के संदर्भ में जिला ग्राम विकास एजेंसियों की भूमिका।
- 11. 'सहक्रिया' से आप क्या समझते हैं ? अवैध मानव व्यापार के संदर्भ में चर्चा कीजिए।
- 12. किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा) अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत बाल कल्याण समिति की भूमिका की संक्षेप में जानकारी दीजिए।

भाग-ग

- नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं वो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 1200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।
- 13. भारत में अवैध मानव व्यापार की जानकारी दीजिए। भारत के संविधान तथा अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत दिए गए उपबंधों की चर्चा कीजिए।

- 14. भारत में अवैध मानव व्यापाररोधी अभियोजन में आने वाली चुनौतियों की चर्चा कीजिए।
- 15. अवैध मानव व्यापार सम्बन्धी समस्याओं को संबोधित करने में न्यायपालिका की भूमिका की चर्चा कीजिए।
- 16. अवैध मानव व्यापार से निपटने में गैर-सरकारी संगठन कैसे मददगार हैं ? इस सम्बन्भ में सहक्रिया में आने वाली बाधाओं के संदर्भ में चर्चा कीजिए।